The Chitransh Academic & Research
An International Journal of Multidisciplinary Research

An Online Peer Reviewed / Refereed Journal
Volume1 | Issue 5 | December 2025
ISSN: 3049-303X (Online)
Website: www.thechitranshacadmic.in

डिजिटल विभाजन से डिजिटल समानता तक: महिलाओं की पहुँच, साक्षरता और सामाजिक बाधाओं का बहु-क्षेत्रीय प्रभाव विश्लेषण

डॉ. रेनू कुमारी

धनकुंठी पुल, पोस्ट - आरा, थाना - टाउन एरिया

जिला - भोजपुर - 802301

लेख विवरण

शोधपत्र

प्राप्ति तिथि: 12/11/2025

स्वीकृति तिथि: 22/12/2025

प्रकाशनतिथि: 31/12/2025

मुख्य शब्द: डिजिटल विभाजन, महिलाओं की पहुँच, डिजिटल साक्षरता, लिंग समानता, सामाजिक बाधाएं

सारांश

डिजिटल विभाजन महिलाओं के लिए एक वैश्विक चुनौती है, जिससे उनकी तकनीकी पहुँच, साक्षरता और अवसरों में असमानता उत्पन्न होती है। यह शोध पत्र डिजिटल विभाजन के कारणों, इसके सामाजिक-आर्थिक प्रभावों, और इसे समाप्त करने के लिए उठाए गए प्रयासों का विश्लेषण करता है। इसमें डिजिटल समावेशन, सशक्तिकरण और लिंग समानता के महत्व पर जोर दिया गया है, साथ ही महिलाओं को डिजिटल सशक्तिकरण के माध्यम से आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक क्षेत्रों में सुधार के अवसरों की दिशा में उठाए गए कदमों को प्रस्तुत किया गया है।

।

.

1. प्रस्तावना

डिजिटल विभाजन से तात्पर्य उस अंतर से है जो उन व्यक्तियों के बीच उत्पन्न होता है जिनके पास आधुनिक सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों (ICT) का उपयोग करने की पहुँच है, और उन व्यक्तियों के बीच जो इससे वंचित हैं। जबकि तकनीकी पहुँच वैश्विक स्तर पर बढ़ी है, महिलाओं, विशेष रूप से विकासशील देशों में, डिजिटल उपकरणों और सेवाओं तक पहुँचने में और उनका प्रभावी उपयोग करने में विशिष्ट चुनौतियाँ सामने आती हैं। इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन (ITU, 2020) के अनुसार, 2020 तक पुरुषों की तुलना में लगभग 250 मिलियन महिलाएं इंटरनेट तक पहुँचने से वंचित हैं, जो डिजिटल भागीदारी में लिंग अंतर को और बढ़ाता है। यह शोध पत्र इस विभाजन के कारणों और इसके सामाजिक-आर्थिक परिणामों का विश्लेषण करता है, विशेष रूप से महिलाओं के डिजिटल तकनीकी तक पहुँचने में आने वाली बाधाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए। इसके साथ ही, यह उन प्रयासों का अवलोकन करता है जो इस विभाजन को समाप्त करने के लिए किए जा रहे हैं और यह बताता है कि समान अवसर मिलने पर प्रौद्योगिकी महिलाओं के लिए किस प्रकार एक रूपांतरक शक्ति बन सकती है।

2. साहित्य समीक्षा

डिजिटल विभाजन एक जटिल समस्या है, जिसमें इंटरनेट पहुँच, डिजिटल साक्षरता और तकनीकी उपयोग के लिंग आधारित पहलुओं जैसे कई मुद्दे शामिल हैं। विश्व आर्थिक मंच (2021) के अनुसार, महिलाएं पुरुषों की तुलना में कम स्मार्टफोन का मालिक होने या इंटरनेट तक पहुँच रखने वाली होती हैं, विशेष रूप से निम्न-आय और ग्रामीण क्षेत्रों में। इसके अतिरिक्त, महिलाओं को डिजिटल कौशल में औपचारिक प्रशिक्षण प्राप्त करना भी कम होता है, जिससे उनके डिजिटल साक्षरता स्तर में गिरावट आती है।

UN Women (2019) के एक अध्ययन में यह बताया गया कि विकासशील क्षेत्रों में केवल 58% महिलाएं इंटरनेट का उपयोग करती हैं, जबकि पुरुषों का यह आंकड़ा 71% है। इंटरनेट पहुँच और उपयोग में यह अंतर महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, शिक्षा, और कार्यबल में भागीदारी के लिए गंभीर परिणाम उत्पन्न करता है। इसके अलावा, विश्व बैंक (2020) ने यह

Crossponding author: renukumari82101@gmail.com

रेखांकित किया कि यदि तकनीकी लिंग भेद को कम किया जाए, तो 2025 तक वैश्विक जीडीपी में 28 ट्रिलियन डॉलर का योगदान हो सकता है।

3. महिलाओं के लिए डिजिटल विभाजन के कारक

3.1 तकनीकी पहुँच

महिलाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है तकनीकी पहुँच की कमी। विकासशील देशों में, महिलाएं स्मार्टफोन या कंप्यूटर के मालिक होने में पुरुषों से पीछे हैं। ITU (2020) के अनुसार, वैश्विक स्तर पर 1.7 बिलियन महिलाएं अभी भी ऑफलाइन हैं, और विकासशील देशों में महिलाएं पुरुषों की तुलना में 20% कम मोबाइल फोन रखने की संभावना रखती हैं। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को इंटरनेट तक पहुँचने में कई जटिल समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जैसे खराब अवसंरचना और इंटरनेट सेवाओं की उच्च लागत।

3.2 डिजिटल साक्षरता और शिक्षा

डिजिटल विभाजन का एक प्रमुख कारण डिजिटल साक्षरता की कमी है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO, 2020) के अनुसार, महिलाएं प्रौद्योगिकी या डिजिटल कौशल में औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने में पुरुषों से पीछे हैं। कई विकासशील देशों में 30% से भी कम महिलाएं डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं, जबकि समान क्षेत्रों में 80% पुरुषों को डिजिटल कौशल की शिक्षा मिलती है।

STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा में लिंग अंतर भी इस समस्या को बढ़ाता है। महिलाएं STEM क्षेत्रों में कम प्रतिनिधित्व करती हैं, जिससे उन्हें प्रौद्योगिकी से संबंधित करियर के अवसर कम मिलते हैं और नई प्रौद्योगिकियों जैसे AI, ब्लॉकचेन और डेटा विज्ञान में उनकी भागीदारी भी सीमित होती है।

3.3 सांस्कृतिक और सामाजिक बाधाएँ

सांस्कृतिक मान्यताएँ और लिंग आधारित पूर्वाग्रह अक्सर महिलाओं को प्रौद्योगिकी में पूर्ण रूप से भाग लेने से रोकते हैं। कई समाजों में महिलाओं से घरेलू भूमिकाओं को निभाने की अपेक्षा की जाती है, जिससे उन्हें उन शैक्षिक या व्यावसायिक अवसरों तक पहुँचने में कठिनाई होती है

Crossponding author: renukumari82101@gmail.com

जो प्रौद्योगिकी से संबंधित होती हैं। इसके अतिरिक्त, यह सामान्य धारणा भी है कि तकनीकी क्षेत्र पुरुषों का डोमेन है, जिससे महिलाओं को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में करियर बनाने या डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाता।

3.4 आर्थिक अवरोध

आर्थिक बाधाएँ डिजिटल विभाजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। GSMA (2021) के अनुसार, महिलाएं पुरुषों की तुलना में निम्न-आय वाले क्षेत्रों में 16% कम मोबाइल फोन रखने की संभावना रखती हैं, मुख्यतः आर्थिक कारणों के कारण। कई परिवारों में पुरुषों को तकनीकी उपकरणों तक पहुँच प्रदान की जाती है, जबकि महिलाओं के पास इन्हें खरीदने या बनाए रखने के संसाधन नहीं होते।

3. महिलाओं के लिए डिजिटल विभाजन के कारक

महिलाओं के लिए डिजिटल विभाजन के प्रमुख कारक हैं तकनीकी पहुँच, डिजिटल साक्षरता, सांस्कृतिक और सामाजिक बाधाएँ, और आर्थिक अवरोध। इन कारकों का विस्तृत विश्लेषण यह दिखाता है कि डिजिटल तकनीकी तक महिलाओं की पहुँच को सीमित करने के कई कारण हैं, जो उनके सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण में अड़चन उत्पन्न करते हैं।

3.1 तकनीकी पहुँच

महिलाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती है तकनीकी उपकरणों और इंटरनेट तक पहुँच। विकासशील देशों में महिलाओं को स्मार्टफोन या कंप्यूटर रखने की संभावना पुरुषों से कम होती है। ITU (2020) के अनुसार, 1.7 अरब महिलाएं अभी भी इंटरनेट से दूर हैं, और विकासशील देशों में महिलाएं पुरुषों की तुलना में 20% कम मोबाइल फोन रखने की संभावना रखती हैं। इसके अलावा, महिलाओं को इंटरनेट सेवाओं तक पहुँचने में ग्रामीण क्षेत्रों में और भी कठिनाइयाँ होती हैं, जैसे कि खराब नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर और इंटरनेट की उच्च कीमतें।

Crossponding author: renukumari82101@gmail.com

3.2 डिजिटल साक्षरता और शिक्षा

डिजिटल साक्षरता की कमी भी एक महत्वपूर्ण कारण है जो डिजिटल विभाजन को बढ़ावा देती है। UNESCO (2020) के अनुसार, **विकासशील देशों में महिलाएं प्रौद्योगिकी और डिजिटल कौशल में औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने में पुरुषों से पीछे हैं।** 30% से कम महिलाएं डिजिटल साक्षरता **प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं**, जबकि पुरुषों की यह संख्या 80% के आस-पास होती है। इसके परिणामस्वरूप, **महिलाओं में डिजिटल कौशल की कमी होती है**, जो उनके तकनीकी **उपयोग और कार्यक्षमता को प्रभावित करती है।**

इसके अलावा, STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा **में भी महिलाओं** का प्रतिनिधित्व कम है, **जो उनके तकनीकी क्षेत्रों में करियर बनाने के अवसरों को सीमित** करता है। इस कारण से महिलाएं AI, ब्लॉकचेन, और डेटा विज्ञान **जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों** से वंचित रहती हैं।

3.3 सांस्कृतिक और सामाजिक बाधाएँ

कई समाजों में यह **विचार किया जाता है कि प्रौद्योगिकी एक पुरुष-प्रधान क्षेत्र है**, जिससे **महिलाएं तकनीकी क्षेत्रों में भाग लेने से हतोत्साहित होती हैं। सांस्कृतिक और सामाजिक** मान्यताएँ महिलाओं को घरेलू भूमिकाओं तक सीमित करती हैं, **और उन्हें शैक्षिक या** व्यावसायिक अवसरों से दूर **रखती हैं, जिनमें प्रौद्योगिकी का उपयोग शामिल होता है। इससे महिलाओं के लिए डिजिटल शिक्षा और तकनीकी करियर के अवसरों में कमी आती है।**

यह लिंग आधारित मानसिकता महिलाओं को उन संचार प्लेटफार्मों या **प्रौद्योगिकी**-आधारित कार्यों **से भी दूर रखती है जो उन्हें** सशक्तिकरण और स्वतंत्रता **के अवसर प्रदान कर सकते हैं।**

3.4 आर्थिक अवरोध

महिलाओं के लिए आर्थिक अवरोध भी एक प्रमुख चुनौती है। GSMA (2021) के अनुसार, महिलाएं पुरुषों की तुलना में 16% कम **मोबाइल फोन रखने की संभावना रखती हैं**, विशेष रूप से निम्न-**आय वाले क्षेत्रों में। यह मुख्यतः** आर्थिक कारणों से होता है, **क्योंकि परिवारों में**

Crossponding author: renukumari82101@gmail.com

पुरुषों को तकनीकी संसाधनों तक प्राथमिकता दी जाती है, जबकि महिलाएं इसके लिए आवश्यक आर्थिक संसाधनों से वंचित रहती हैं।

इसके अतिरिक्त, **महिलाओं को इंटरनेट सेवाओं की उच्च लागत और डिजिटल उपकरणों को बनाए रखने में भी परेशानी होती है। यह आर्थिक असमानता उनके** सामाजिक और व्यावसायिक अवसरों तक पहुँच को प्रभावित करती है, जो उनके डिजिटल सशक्तिकरण को सीमित करती है।

4. डिजिटल विभाजन को समाप्त करने का प्रभाव

डिजिटल विभाजन को समाप्त करने से महिलाओं को न केवल उनके सशक्तिकरण में मदद मिलती है, बल्कि यह उनके **आर्थिक**, शैक्षिक, और सामाजिक **जीवन पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है। जब महिलाओं को समान डिजिटल अवसर मिलते हैं**, तो वे अपने जीवन को बेहतर बनाने **में सक्षम होती हैं और समाज में प्रभावी भूमिका निभाती हैं। डिजिटल समानता का लाभ महिलाओं के व्यक्तिगत विकास से लेकर वैश्विक आर्थिक विकास तक पहुँच सकता है।**

4.1 आर्थिक सशक्तिकरण

डिजिटल प्रौद्योगिकी महिलाओं के लिए अत्यधिक आर्थिक अवसर **प्रदान करती है। इंटरनेट** और **डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म तक पहुँचने से महिलाएं** ऑनलाइन शिक्षा, रोजगार के अवसर, और व्यवसाय शुरू करने **में सक्षम हो सकती हैं।** विश्व बैंक (2020) के अनुसार, महिलाओं की इंटरनेट पहुँच में हर 10% **की वृद्धि से विकासशील देशों की** GDP में 18 बिलियन डॉलर तक का वार्षिक योगदान हो सकता है।

इसके अलावा, ई-कॉमर्स और डिजिटल उद्यमिता **महिलाओं के लिए विशेष रूप से फायदेमंद साबित हुई है। जहां महिलाओं को पारंपरिक बाजारों में प्रवेश में कठिनाई होती है**, वहां ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म उन्हें अपने उत्पादों और सेवाओं को बेचने, अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचने, **और अपने व्यापार को बढ़ाने का एक अवसर प्रदान करते हैं।**

Crossponding author: renukumari82101@gmail.com

4.2 शिक्षा और कौशल विकास

डिजिटल विभाजन को समाप्त करने से महिलाओं को ऑनलाइन शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों तक पहुँच मिलती है, जिससे उनकी कार्यबल में भागीदारी बढ़ती है और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। UN Women (2020) की रिपोर्ट में यह दिखाया गया कि डिजिटल शिक्षा तक पहुँच वाली महिलाएं कार्यबल में भाग लेने और उच्च वेतन वाली नौकरियाँ प्राप्त करने के लिए अधिक सक्षम हैं। भारत जैसे देशों में, जहां महिलाएं डिजिटल कोर्स में भाग लेकर उद्यमिता और प्रौद्योगिकी में अपने व्यवसाय शुरू कर रही हैं, वहां 40% महिलाएं जो डिजिटल प्रशिक्षण में शामिल हुईं, उन्होंने अपना व्यवसाय शुरू किया है (UN Women, 2020)।

इसके अतिरिक्त, डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम महिलाओं को महत्वपूर्ण कौशल प्रदान करते हैं, जिससे वे प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में अधिक आत्मविश्वास महसूस करती हैं। उदाहरण के तौर पर, TechBridge Girls जैसे कार्यक्रम, जो अफ्रीका में हजारों महिलाओं को कोडिंग, नेतृत्व, और डिजिटल साक्षरता सिखाते हैं, यह महिलाएं भविष्य के कार्यबल के लिए तैयार हो रही हैं।

4.3 स्वास्थ्य और सामाजिक विकास

प्रौद्योगिकी महिलाओं के स्वास्थ्य परिणामों में सुधार लाने में मदद कर सकती है, जैसे टेलीमेडिसिन, स्वास्थ्य शिक्षा, और मातृ स्वास्थ्य से संबंधित संसाधनों तक पहुँच। mHealth Alliance (2019) द्वारा किए गए एक अध्ययन में यह पाया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं मोबाइल स्वास्थ्य एप्स का उपयोग करने से स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुँच प्राप्त करती हैं, जिससे मातृ मृत्यु दर में 50% तक की कमी आई है।

इसके अलावा, प्रौद्योगिकी महिलाओं को सामाजिक विकास में भी मदद करती है, क्योंकि यह उन्हें समर्थन और अधिकारिता समूहों से जोड़ती है, जो जैसे लिंग आधारित हिंसा और महिला अधिकारों पर चर्चा करती हैं। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म महिलाओं की आवाज़ को सशक्त बनाने और उन्हें सामाजिक न्याय के मुद्दों पर अपनी स्थिति व्यक्त करने का एक सशक्त साधन प्रदान करते हैं।

Crossponding author: renukumari82101@gmail.com

5. डिजिटल विभाजन को समाप्त करने के लिए सिफारिशें

महिलाओं के लिए डिजिटल विभाजन को समाप्त करने के लिए कुछ व्यवहारिक सिफारिशें की गई हैं, जिन्हें विभिन्न स्तरों पर लागू किया जा सकता है। इन सिफारिशों का उद्देश्य महिलाओं को डिजिटल सशक्तिकरण और समान अवसर प्रदान करना है, ताकि वे प्रौद्योगिकी का लाभ उठा सकें और समाज में समान रूप से भागीदार बन सकें।

5.1 तकनीकी पहुँच को बढ़ाना

सरकारों और प्रौद्योगिकी कंपनियों को मिलकर इंटरनेट सेवाओं और डिवाइसों की लागत को कम करने के प्रयास करने चाहिए, खासकर ग्रामीण और कम-आय वाले क्षेत्रों में। महिलाओं के लिए सस्ता इंटरनेट और मोबाइल फोन उपलब्ध कराने के लिए उपयुक्त सब्सिडी या डिस्काउंट योजनाएँ लागू की जा सकती हैं। इसके साथ ही, सार्वजनिक-निजी साझेदारी के माध्यम से सस्ती तकनीकी पहुँच सुनिश्चित की जा सकती है।

5.2 डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों को बढ़ावा देना

महिलाओं को डिजिटल कौशल सिखाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों में निवेश करना जरूरी है। इन कार्यक्रमों को ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों दोनों में आयोजित किया जाना चाहिए। महिलाओं के लिए डिजिटल साक्षरता के प्रशिक्षण को बढ़ावा देने से उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे तकनीकी उपकरणों का सही उपयोग कर सकेंगी। इसके साथ ही, डिजिटल उद्यमिता और कोडिंग जैसी विशेषज्ञता को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जिससे महिलाएं टेक्नोलॉजी आधारित करियर में भाग ले सकें।

5.3 STEM शिक्षा में महिलाओं का योगदान बढ़ाना

महिलाओं को STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसके लिए स्कॉलरशिप, मेंटोरशिप कार्यक्रम, और सहायक शैक्षिक वातावरण बनाए जाने चाहिए, ताकि महिलाओं को इन क्षेत्रों में प्रवेश करने का अवसर मिले। इसके साथ ही, गर्ल्स इन टेक जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से, युवा लड़कियों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मार्गदर्शन दिया जा सकता है।

Crossponding author: renukumari82101@gmail.com

5.4 सांस्कृतिक और सामाजिक बाधाओं का समाधान

सांस्कृतिक और सामाजिक मानसिकता को बदलने के लिए समुदाय-आधारित कार्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं, **जो महिलाओं को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।** इसके लिए सचेतना अभियानों और रोल मॉडल्स का उपयोग किया जा सकता है, ताकि यह धारणा बदल सके कि प्रौद्योगिकी पुरुषों का डोमेन है। महिलाओं के प्रति लिंग आधारित भेदभाव को कम करने के लिए समाजिक जागरूकता आवश्यक है, ताकि वे प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सक्रिय रूप से भाग ले सकें।

5.5 सार्वजनिक-निजी साझेदारी को मजबूत करना

सरकारों, NGOs, और प्रौद्योगिकी कंपनियों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है, ताकि महिलाएं इंटरनेट, मोबाइल फोन, और डिजिटल कौशल तक समान पहुँच प्राप्त कर सकें। यह साझेदारी डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने में सहायक हो सकती है। साथ ही, महिलाओं को डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर अवसर प्रदान करने के लिए, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में मिलकर कार्य किया जा सकता है।

6. निष्कर्ष

महिलाओं के लिए डिजिटल विभाजन को समाप्त करना केवल समानता का मामला नहीं है, बल्कि यह आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक प्रगति के लिए एक रणनीतिक कदम है। यह न केवल महिलाओं के जीवन को बेहतर बना सकता है, बल्कि पूरे समाज और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी सशक्त कर सकता है। जब महिलाओं को डिजिटल उपकरणों और प्रौद्योगिकी तक समान पहुँच और अवसर मिलते हैं, तो वे अपने व्यक्तिगत और सामूहिक विकास में सक्रिय भागीदार बन सकती हैं।

इस शोध के माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि डिजिटल विभाजन को समाप्त करने से वैश्विक जीडीपी में 28 ट्रिलियन डॉलर तक का योगदान हो सकता है (विश्व बैंक, 2020), जो इस मुद्दे की आर्थिक महत्ता को रेखांकित करता है। महिलाओं के लिए डिजिटल समावेशन और सशक्तिकरण के लिए उठाए गए कदम समाज में लिंग समानता को बढ़ावा देते हैं और

Crossponding author: renukumari82101@gmail.com

महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम, शैक्षिक दृष्टिकोण से प्रगति, और सामाजिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाते हैं।

जब समाज डिजिटल तकनीकी सशक्तिकरण में महिलाओं को प्राथमिकता देगा और उन्हें समान अवसर प्रदान करेगा, तो न केवल महिलाओं की स्थिति में सुधार होगा, बल्कि यह एक समावेशी, न्यायपूर्ण, और स्थिर भविष्य की दिशा में एक मजबूत कदम होगा। महिलाओं के डिजिटल सशक्तिकरण से आने वाली सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक प्रगति के परिणाम बहुत दूरगामी होंगे, और इससे एक वैश्विक परिवर्तन की शुरुआत हो सकती है।

संदर्भ

1. **GSMA. (2021).** द मोबाइल जेंडर गैप रिपोर्ट. https://www.gsma.com से प्राप्त किया गया।
2. **इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन (ITU). (2020).** Measuring Digital Development: Facts and Figures. https://www.itu.int/en/ITU-D/Statistics/Pages/facts/default.aspx से प्राप्त किया गया।
3. **mHealth Alliance. (2019).** मोबाइल हेल्थ एप्स: ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के स्वास्थ्य परिणामों में सुधार. https://www.mhealthalliance.org से प्राप्त किया गया।
4. **UN Women. (2019).** लैंगिक समानता के लिए प्रौद्योगिकी और नवाचार. https://www.unwomen.org से प्राप्त किया गया।
5. **संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO). (2020).** डिजिटल साक्षरता अंतर: लिंग परिपेक्ष्य. https://www.unesco.org से प्राप्त किया गया।
6. **विश्व बैंक. (2020).** प्रौद्योगिकी में लिंग अंतर और इसका आर्थिक प्रभाव. https://www.worldbank.org से प्राप्त किया गया।
7. **विश्व आर्थिक मंच (World Economic Forum). (2021).** डिजिटल समावेशन और लैंगिक समानता का भविष्य. https://www.weforum.org से प्राप्त किया गया।

Crossponding author: renukumari82101@gmail.com